समाज का अध्ययन : भारत और उसके आगे

कक्षा 6 के लिए
सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक

0683

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

0683 – समाज का अध्ययन : भारत और उसके आगे
कक्षा 6 के लिए सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक

ISBN 978-93-5292-947-4

प्रथम संस्करण
सितंबर 2024 भाद्रपद 1946
पुनर्मुद्रण
अप्रैल 2025 वैशाख 1947
जुलाई 2025 आषाढ़ 1947
मार्च 2026 चैत्र 1948

PD 115T BS

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2024

₹ 65.00

एन.सी.ई.आर.टी. वॉटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित तथा स्वप्ना प्रिंटिंग वर्क्स प्रा. लिमिटेड 52, राजा राममोहन सारणी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल 700 009 द्वारा मुद्रित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशन की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नई दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरू 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट : धनकल बस स्टॉप पनिहटी
कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लेक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781 021 फोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	*एम.वी. श्रीनिवासन*
मुख्य संपादक	:	*बिज्ञान सुतार*
मुख्य व्यापार प्रबंधक	:	*अमिताभ कुमार*
मुख्य उत्पादन अधिकारी (प्रभारी)	:	*दीपक जैसवाल*
सहायक उत्पादन अधिकारी	:	*सायुराज ए.आर.*

आवरण, चित्रांकन एवं ले-आउट
बैनियन ट्री

कार्टोग्राफर
सतीश मौर्य

© NCERT not to be republished

आमुख

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 देश के लिए एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था की अनुशंसा करती है जो प्रत्येक क्षेत्र में मानवीय प्रयास व ज्ञान की भारतीय परंपरा और सभ्यता की उपलब्धियों पर आधारित है। यह नीति विद्यार्थियों को इक्कीसवीं सदी की संभावनाओं और चुनौतियों के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने के लिए तैयार करती है। नई शिक्षा नीति की आकांक्षाओं को *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023* में सभी स्तरों एवं सभी विषयों की पाठ्यचर्या में सुव्यवस्थित ढंग से रखा गया है। बुनियादी और प्रारंभिक स्तर पर बच्चों का पंचकोशीय विकास सुनिश्चित करते हुए इसने मध्य स्तर पर उनकी शैक्षिक विकास यात्रा का मार्ग प्रशस्त किया है। इस प्रकार, तीन वर्षों का यह मध्य स्तर जो कक्षा 6 से कक्षा 8 तक विस्तृत है, प्रारंभिक और माध्यमिक स्तरों के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करता है।

मध्य स्तर पर इस पाठ्यचर्या की रूपरेखा का उद्देश्य विद्यार्थियों को उन आवश्यक कौशलों में दक्ष करना है, जो बच्चों की विश्लेषणात्मक, वर्णनात्मक और सृजनात्मक क्षमताओं को प्रोत्साहित करे और उन्हें आने वाली चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करे। मध्य स्तर पर पाठ्यचर्या के आधार पर विकसित बहुआयामी पाठ्यक्रम में ऐसे नौ विषयों को सम्मिलित किया गया है जो बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा देते हैं। इसमें तीन भाषाओं (भारतीय मूल की कम से कम दो भाषाएँ) सहित विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, कला शिक्षा, शारीरिक शिक्षा एवं कल्याण और व्यावसायिक शिक्षा सम्मिलित हैं।

ऐसी सृजनात्मक परिवर्तनकारी शिक्षण संस्कृति के लिए कुछ अनुकूल परिस्थितियों की आवश्यकता होती है। इनमें से एक है विभिन्न विषयों की उपयुक्त पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता जो पढ़ने-पढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी। ऐसी भूमिका जो कि बच्चों की जिज्ञासा और खोजी प्रवृत्ति के मध्य एक विवेकपूर्ण संतुलन स्थापित करेगी। दूसरी आवश्यकताओं में कक्षा नियोजन और विषयों की पढ़ाई के मध्य उचित संतुलन स्थापित करने हेतु शिक्षकों की तैयारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् निरंतर गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकें तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। विभिन्न विषयों में पाठ्यचर्या समूहों का गठन किया गया है। इनमें सम्मिलित संबंधित विषय विशेषज्ञों, शिक्षाशास्त्रियों और अध्यापकों ने ऐसी गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकें बनाने हेतु हर संभव प्रयास किया है। सामाजिक विज्ञान की यह पाठ्यपुस्तक विद्यालयी शिक्षा के लिए *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023* का अक्षरश: अनुपालन करती है। विषय सामग्री कम रखते हुए भी यह पाठ्यपुस्तक मुख्यत: मूल अवधारणाओं और प्रमुख घटनाओं पर ध्यान केंद्रित करने का एक नवीन प्रयास करती है। इन्हें अनेकानेक चित्रों, आरेखों, मानचित्रों और लेखाचित्रों (ग्राफिक्स) के माध्यम से अभिव्यक्त किया गया है। यह सर्वसमावेशी प्रारूप इन पाठ्य सामग्रियों को अधिक रुचिकर बनाकर जीवंत कर देता है। यह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के अभ्यासों, चिंतन-मनन, गतिविधियों और परियोजनाओं

© NCERT not to be republished

द्वारा उन्हें स्वयं अन्वेषण करने के लिए प्रेरित करती है। पाँच विषयों का चयन एक बहुविषयी परिप्रेक्ष्य बनाए रखने की महत्वपूर्ण आवश्यकता की पूर्ति करता है। इस प्रकार, सांस्कृतिक जड़ों में दृढ़ विश्वास हमारे एक विषय 'हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं ज्ञान परंपरा' तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह अन्य विषयों में भी समाहित है। आशा की जाती है कि विद्यार्थी और शिक्षक दोनों के लिए इस पाठ्यपुस्तक का पठन-पाठन सुखद और ज्ञानवर्धक अनुभव प्रदान करेगा।

इस पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त इस स्तर पर विद्यार्थियों को विविध शिक्षण संसाधनों की जानकारी हेतु भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। ऐसे संसाधन उपलब्ध कराने में विद्यालय के पुस्तकालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को इस दिशा में मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देने में अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी।

मैं इस पाठ्यपुस्तक के विकास में सम्मिलित सभी व्यक्तियों का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस उत्कृष्ट प्रयास को साकार किया है और आशा करता हूँ कि यह पुस्तक सभी हितधारकों की अपेक्षाओं को पूर्ण करेगी। इसके साथ ही हम आपकी टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करते हैं जिनसे भावी संस्करणों को और भी उत्कृष्ट बनाया जा सकेगा।

दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

नई दिल्ली
31 मई 2024

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

विद्यार्थी के नाम पत्र

प्रिय विद्यार्थी,

अब आप मध्य स्तर में प्रवेश कर गए हैं और नए विषयों के बारे में जानेंगे। उनमें से एक विषय है — सामाजिक विज्ञान। आपने पहले भी इस विषय में कुछ पढ़ा है, किंतु कक्षा 6 से आप अपने आस-पास की दुनिया के बारे में और अधिक जानेंगे। इसका आरंभ अपने देश भारत से करेंगे। हमने इस पाठ्यपुस्तक को यथाशक्ति रोचक बनाने का प्रयास किया है।

- हमने यथासंभव आपके आस-पास के परिवेश को ही यहाँ लिया है। इसका आरंभ वहीं से किया है, जिससे आप परिचित हैं।
- हमने महत्वपूर्ण विचारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए पाठ्यसामग्री को कम से कम रखा है। निस्संदेह ये ऐसे विचार हैं जिनसे जीवन में आपका सामना होगा। भारत और विश्व को समझने के लिए ये विचार आपकी सहायता करेंगे।
- हमने आपको विषय का अन्वेषण, खोज, चिंतन, सृजन, प्रश्नोत्तर के लिए प्रोत्साहित किया है। शिक्षा का उद्देश्य रटकर पढ़ाई करना नहीं है, अपितु पाठ्य सामग्री को समझकर उस पर विचार करना है।
- हमने पहले की तुलना में इस बार चित्रों को अधिक सम्मिलित किया है, क्योंकि लंबी व्याख्याओं की अपेक्षा चित्र अपना संदेश अधिक प्रभावशाली रूप से व्यक्त करते हैं। पाठ्यपुस्तक के पृष्ठों को पढ़ने-समझने के क्रम में ये चित्र पुस्तकों को अधिक जीवंत और आनंदप्रद बनाते हैं।
- हमने पाँच मुख्य विषयों का चयन किया है जिन्हें आप विषय-सूची में देखेंगे। इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र जैसे विभिन्न विषयों की जानकारियों को हम एक विषय में सम्मिलित करने में सक्षम हुए हैं। ऐसा करने से यह हमें जीवन की यथार्थता के और निकट लाता है।
- अंततः हमने भारत के मूल को समझने पर कुछ बल दिया है। भारत पुरातन सभ्यता वाला एक युवा देश है। पुरातन के बिना नवीन की परिकल्पना नहीं की जा सकती।

इस पाठ्यपुस्तक को परिश्रम के साथ प्रेमपूर्वक तैयार किया गया है। पुस्तक के पृष्ठ पलटते हुए यत्र-तत्र दिए गए कुछ चित्रों या मानचित्रों पर यदि आपका ध्यान जाता है, या कोई प्रश्न या

© NCERT not to be republished

चुनौतीपूर्ण सूक्ति आपको रोमांचित करती है, तो हमें प्रसन्नता होगी। हम आशा करते हैं कि आप खोज की इस यात्रा का पूरा आनंद उठाएँगे। यह पाठ्यपुस्तक आप के साथ-साथ हम सबके बारे में है।

यहाँ हम कुछ महत्वपूर्ण जानकारी भी दे रहे हैं। इस पाठ्यपुस्तक का प्रत्येक भाग, जैसे – पाठ्य सामग्री, पार्श्व प्रकोष्ठ (साइड बॉक्स), चित्र अथवा मानचित्र, मूल्यांकन एवं आकलन का विषय हो सकता है। इसके चार अपवाद हैं—

- *सूक्ति/सूक्तियाँ* अध्याय के पहले पृष्ठ पर दी गई हैं। कुछ सूक्तियाँ सीधी-सरल हैं, तो कुछ गहन विचार लिए हैं। यदि ये आपको पहली बार पढ़ने पर समझ में नहीं आएँ, तो कोई बात नहीं। ये आपको प्रेरणा या प्रोत्साहन देने के लिए हैं।
- *पाठ्य सामग्री में जहाँ भी लिखा हो, "इसे याद रखने की आवश्यकता नहीं है।"*
- *परिचय* (पृष्ठ 1)
- *शब्दावली* (पाठ्यपुस्तक के अंत में)

उपरोक्त चारों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

इस पुस्तक के साथ आपकी यात्रा

कक्षा 6 के विद्यार्थियों की यह पाठ्यपुस्तक बहुत ही ध्यान से और प्रेम के साथ से लिखी गई है। इस वर्ष आप सामाजिक विज्ञान विषय पहली बार पढ़ेंगे। यह विषय हमें अपने आपको और हमारे आस-पास की भूमि और अन्य लोगों को समझने में सहायता करता है। पहले लोग कैसे रहते थे? हमारा देश इंडिया अर्थात भारत कैसा दिखाई देता है? उसके पर्वत, नदियाँ और मैदान कैसे दिखाई देते हैं? इसी प्रकार के और भी बहुत से प्रश्न हैं।

इस नई पाठ्यपुस्तक की अनेक विशेषताएँ हैं। हमें आशा है कि वे आपको रोचक और आनंदायक लगेंगी। आप जैसे ही पृष्ठों को पलटेंगे, कई प्रकार के रंगीन आरेख, चित्र, मानचित्र और चित्रकला देखेंगे। आइए, आपको पुस्तक और इसकी विशेषताओं की झलक दिखाते हैं। आपके शिक्षक भी इस संदर्भ में आपका मार्गदर्शन करेंगे।

प्रत्येक अध्याय का आरंभ किसी सुप्रसिद्ध व्यक्ति अथवा ग्रंथ के सुविचार से होता है। उसे पढ़िए और याद रखिए। इनमें से कुछ सूक्तियाँ गहन विचार रखती हैं। यदि ये आपको समझ न आएँ, तो घबराएँ नहीं। आप बाद में उन्हें फिर से पढ़कर कक्षा में उनपर चर्चा कर सकते हैं। यहाँ कुछ उदाहरण दिए जा रहे हैं—

> *हे ईश्वर! मेरी यह प्रार्थना स्वीकार करें कि मैं अनेकता में एकता के स्पर्श का आनंद कभी न गवाँ सकूँ।*
>
> —रवींद्रनाथ टैगोर
>
> *...विविधता में एकता का सिद्धांत सदैव से भारत के लिए स्वाभाविक रहा है और यह उसकी प्रकृति एवं अस्तित्व के लिए आवश्यक है। एक में अनेक का यह भाव भारत को उसके स्वभाव व स्वधर्म की सुनिश्चित नींव पर स्थापित करेगा।*
>
> —श्री अरविंद

मूल पाठ सरल भाषा में लिखा गया है। आप भारत और अन्य स्थान के लोगों एवं स्थलों के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।

तकनीकी शब्दों को पाठ के हाशिए में समझाया गया है। इन शब्दों को पुस्तक के अंत में दी गई **शब्दावली** में भी सम्मिलित किया गया है। इसके अतिरिक्त हमने कुछ शब्द सम्मिलित किए हैं जिनसे हो सकता है कि आप परिचित न हों। शब्दावली को प्राय: देखते रहें।

© NCERT not to be republished

- **भू-विज्ञानी** (चित्र 4.2.1) पृथ्वी के भौतिक स्वरूपों जैसे – मृदा, पत्थरों, पहाड़ियों, पर्वतों, नदियों, महासागरों एवं पृथ्वी के अन्य हिस्सों का अध्ययन करते हैं।
- **जीवाश्म विज्ञानी** (चित्र 4.2.2) **जीवाश्म** के रूप में करोड़ों वर्ष पूर्व के पेड़ों, पशुओं एवं मानवों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं।
- **मानव विज्ञानी** (चित्र 4.2.3) मानव समाजों एवं संस्कृतियों का अतीत से लेकर वर्तमान तक अध्ययन करते हैं।
- **पुरातत्व विज्ञानी** (चित्र 4.2.4) मानव, पौधों एवं पशुओं द्वारा अपने पीछे छोड़े गए अवशेषों जैसे – उपकरण, घड़े, पात्र, मनके, मूर्तियाँ, खिलौने, हड्डियाँ, पशुओं और मानवों के दाँत, जले हुए अनाज, घरों एवं ईंटों के हिस्से एवं अन्य वस्तुओं का उत्खनन करके अतीत का अध्ययन करते हैं।

जीवाश्म
जीव-जंतुओं के पदचिह्नों या पौधों के अवशेष चिह्न जो कि मृदा अथवा शिलाओं की परतों के बीच संरक्षित पाए जाते हैं।

महत्वपूर्ण प्रश्न ?

1. *लोग विभिन्न प्रकार की किन-किन गतिविधियों में सम्मिलित होते हैं?*
2. *हमारे दैनिक जीवन में इनका क्या योगदान है?*

हमें अध्याय को पढ़ते हुए **'आइए पता लगाएँ'** और **'आइए विचार करें'** जैसे कुछ अनुभाग मिलेंगे। इसमें गतिविधियाँ, पाठगत अभ्यास या वह विषय दिए गए है, जो गहन चिंतन के अवसर प्रदान करते हैं।

आइए पता लगाएँ

क्या आप जानते हैं कि उस समाज को क्या कहते हैं, जहाँ लोग अपने नेता का चयन करते हैं? आपके विचार से लोगों को ऐसी स्थिति से कैसे लाभ होता है? यदि वे अपने द्वारा नहीं चुने गए नेता के अधीन रहते हैं तो क्या हो सकता है? (*संकेत – 'शासन और लोकतंत्र' विषय में आपने जो पहले पढ़ा है, उस पर विचार कीजिए*) अपने विचार 100–150 शब्दों में लिखिए।

आइए विचार करें

क्या आपने कभी अपने घर अथवा आस-पास पुराने सिक्कों, पुस्तकों, वस्त्रों, आभूषणों अथवा बर्तनों को देखा है? इन वस्तुओं अथवा पुराने घरों एवं भवनों से हम किस प्रकार की सूचनाएँ एकत्र कर सकते हैं?

Reprint 2026-27

ध्यान रखें

हमारे अनेक संस्थानों के आदर्श वाक्य हमारे प्राचीन ग्रंथों के ज्ञान से प्रेरित हैं। उदाहरण के लिए, भारत सरकार का आदर्श वाक्य 'सत्यमेव जयते' है, अर्थात "सत्य की ही विजय होती है"। सर्वोच्च न्यायालय का आदर्श वाक्य 'यतो धर्मोस्ततो जय:' है, जिसका अर्थ है "जहाँ धर्म है, वहाँ विजय है"।

इसे '**ध्यान रखें**'। यह आपकी जिज्ञासा को बढ़ाने के लिए रोचक व मनोरंजक तथ्यों को प्रस्तुत करेगा।

प्रत्येक पाठ के अंत में **'आगे बढ़ने से पहले...'** दिया गया है जो पाठ के मूल विचारों को संक्षिप्त रूप से प्रस्तुत करता है। तत्पश्चात अभ्यास, प्रश्न अथवा परियोजनाएँ दी गई हैं।

आगे बढ़ने से पहले...

→ परिवार मानव समाज का आधार है। आदर्श रूप में परिवार के सदस्य अपने अनेक कर्तव्यों और कार्यों में एक-दूसरे को सहयोग प्रदान करते हैं।

→ समुदाय अपेक्षाकृत बड़ी इकाई है। इसका अर्थ यह भी है कि लोग एक-दूसरे को सहयोग प्रदान करने के लिए अपने सर्वोत्तम प्रयास करते हैं। 'समुदाय' को अनेक प्रकार से परिभाषित किया जा सकता है और समुदाय अनेक प्रकार के होते हैं।

→ अंतत: समुदाय एक-दूसरे पर निर्भर करते हैं।

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर एक **क्यू.आर. कोड** दिया गया है जो आपको पाठ की विषयवस्तु से संबंधित रोचक वीडियो, पहेली, खेल, कहानियों आदि तक ले जाएँगे। यह आपको आगे की खोज के लिए प्रेरित भी करेंगे। इनको स्वयं अथवा किसी वयस्क की सहायता लेकर स्कैन कीजिए और सामग्री का अवलोकन कीजिए।

इस पाठयपुस्तक के अध्ययन में आपके शिक्षक आपके साथ होंगे। हम आशा करते हैं कि आप इस पुस्तक के कुछ अंशों का अध्ययन अपने माता-पिता या अभिभावकों के साथ भी करेंगे। संभवत: कुछ गतिविधियों को उनके साथ करना आपको अच्छा लगेगा।

हम सामाजिक विज्ञान के अध्ययन द्वारा मानव जीवन एवं समाज पर गहरी अंतर्दृष्टि विकसित करने की आपकी इस यात्रा के आनंदप्रद होने की कामना करते हैं।

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

भारत का संविधान

भाग–3 (अनुच्छेद 12–35)
(अनिवार्य शर्तों, कुछ अपवादों और युक्तियुक्त निर्बंधन के अधीन)
द्वारा प्रदत्त

मूल अधिकार

समता का अधिकार

- विधि के समक्ष एवं विधियों के समान संरक्षण;
- धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर;
- लोक नियोजन के विषय में;
- अस्पृश्यता और उपाधियों का अंत।

स्वातंत्र्य-अधिकार

- अभिव्यक्ति, सम्मेलन, संघ, संचरण, निवास और वृत्ति का स्वातंत्र्य;
- अपराधों के लिए दोष सिद्धि के संबंध में संरक्षण;
- प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण;
- छः से चौदह वर्ष की आयु के बच्चों को नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा;
- कुछ दशाओं में गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण।

शोषण के विरुद्ध अधिकार

- मानव के दुर्व्यापार और बलात श्रम का प्रतिषेध;
- परिसंकटमय कार्यों में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध।

धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार

- अंत:करण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार की स्वतंत्रता;
- धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता;
- किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संदाय के संबंध में स्वतंत्रता;
- राज्य निधि से पूर्णत: पोषित शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के संबंध में स्वतंत्रता।

संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार

- अल्पसंख्यक-वर्गों को अपनी भाषा, लिपि या संस्कृति विषयक हितों का संरक्षण;
- अल्पसंख्यक-वर्गों द्वारा अपनी शिक्षा संस्थाओं का स्थापन और प्रशासन।

सांविधानिक उपचारों का अधिकार

- उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के निर्देश या आदेश या रिट द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रवर्तित कराने का उपचार।

Reprint 2026-27

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य – भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके; और

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

Reprint 2026-27

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति (एन.एस.टी.सी.)

महेश चंद्र पंत, *कुलाधिपति*, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (**अध्यक्ष**)

मञ्जुल भार्गव, *आचार्य*, प्रिंसटन विश्वविद्यालय (**सह अध्यक्ष**)

सुधा मूर्ति, *प्रतिष्ठित लेखिका* एवं *शिक्षाविद*

बिबेक देबरॉय, *अध्यक्ष*, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ई.ए.सी.-पी.एम.)

शेखर मांडे, *पूर्व-महानिदेशक*, सी.एस.आई.आर. एवं प्रतिष्ठित प्रोफेसर, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

सुजाता रामदोरई, *आचार्य*, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, कनाडा

शंकर महादेवन, संगीत विशेषज्ञ, मुंबई

यू. विमल कुमार, *निदेशक*, प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी, बेंगलुरू

मिशेल डैनिनो, *अतिथि आचार्य*, आई.आई.टी. गांधीनगर

सुरीना राजन, *आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त)*, हरियाणा एवं पूर्व महानिदेशक, एच.आई.पी.ए.

चामू कृष्ण शास्त्री, *अध्यक्ष*, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय

संजीव सान्याल, *सदस्य*, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ई.ए.सी.-पी.एम.)

एम.डी. श्रीनिवास, *अध्यक्ष*, सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज़, चेन्नई

गजानन लोंढे, हेड, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.

रेबिन छेत्री, *निदेशक*, एस.सी.ई.आर.टी., सिक्किम

प्रत्यूष कुमार मंडल, *आचार्य*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

दिनेश कुमार, *आचार्य* एवं *अध्यक्ष*, योजना एवं अनुवीक्षण प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

कीर्ति कपूर, *आचार्य*, भाषा शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

रंजना अरोड़ा, *आचार्य* एवं *अध्यक्ष*, पाठ्यचर्या अध्ययन एवं विकास विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली (**सदस्य-सचिव**)

© NCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

मार्गदर्शन

महेश चंद्र पंत, *अध्यक्ष,* एन.एस.टी.सी. एवं कुलाधिपति, एन.आई.ई.पी.ए., नई दिल्ली

जगबीर सिंह, *अध्यक्ष*, एन.ओ.सी. एवं *कुलाधिपति,* पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय

मञ्जुल भार्गव, *सह-अध्यक्ष*, एन.एस.टी.सी. एवं *आचार्य*, प्रिंसटन विश्वविद्यालय

अनुराग बेहर, *सदस्य,* राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा परिवेक्षण समिति एवं *सी.ई.ओ.*, अज़ीम प्रेम जी फाउंडेशन, बेंगलुरू

गजानन लोंढे, *प्रमुख*, कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी.; तथा *संस्थापक सदस्य*, संवित रिसर्च फाउंडेशन

***अध्यक्ष,* सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान) (सी.ए.जी-एस.एस)**

मिशेल डैनिनो, *अतिथि आचार्य*, आई.आई.टी. गांधीनगर

***अध्यक्ष,* सी.ए.जी. (अर्थशास्त्र)**

संजीव सान्याल, *सदस्य*, ई.ए.सी.-पी.एम.

सहयोग

अंकुर कक्कड़, *सह-आचार्य,* सेंटर फॉर इंडिक स्टडीज, इंडस यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद; तथा *सदस्य*, सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान)

अजीज महदी, फारसी अध्येता एवं *पूर्व फैलो*, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज, शिमला; तथा *सदस्य*, सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान)

आशीर्वाद द्विवेदी, *सहायक आचार्य*, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, श्रीराम कालेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय; तथा *सदस्य*, सी.ए.जी. (अर्थशास्त्र)

एम.वी. श्रीनिवासन, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली; तथा *सदस्य*, सी.ए.जी. (अर्थशास्त्र)

उदय कुलकर्णी, *सर्जन कमांडर* (सेवानिवृत्त), भारतीय नौसेना एवं *इतिहासकार*; तथा *सदस्य*, सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान)

के. वसुंधरा, *उप-प्रधानाचार्य*, चिन्मय विद्यालय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, विरुगम्बक्कम्, चेन्नई

जॉनसन ओडाक्कल, *कोमोडोर* (सेवानिवृत्त) एवं *पूर्व निदेशक*, मैरिटाइम हिस्ट्री सोसाइटी; *फैकल्टी*, आदित्य बिड़ला वर्ल्ड एकेडमी; तथा *सदस्य*, सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान)

© NCERT not to be republished

जावेद इकबाल भट, *सहायक आचार्य*, पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, कश्मीर विश्वविद्यालय; तथा *सदस्य*, सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान)

तनु मलिक, *आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

दिव्या इंद्रा चटर्जी, *चार्टर्ड अकाउंटेंट* और *कंसलटेंट,* कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी.

नबज्योति डेका, *सहायक आचार्य*, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, श्रीराम कालेज ऑफ कॉमर्स; तथा *सदस्य*, सी.ए.जी. (अर्थशास्त्र)

प्राची लाहिरी, *शिक्षक* (इतिहास), नेशनल पब्लिक स्कूल, बेंगलुरू; तथा *सदस्य*, सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान)

प्रियदर्शिनी सामंत राय, *सहायक आचार्य* (समाजशास्त्र), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

फणीन्द्र शर्मा, *कंसलटेंट,* कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी.

भावना पालीवाल, *एजुकेटर* और *कंसलटेंट,* कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी.

राधा नारायणन, *शोधार्थी* और *लेखक,* इतिहास पाठ्यपुस्तक, चिन्मय मिशन, चेन्नई; तथा *सदस्य*, सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान)

रिद्धि गर्ग, *शोध लेखक* और *संपादक,* दिल्ली

रुचिका सिंह, *सहायक आचार्य*, भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय; तथा *कोऑर्डिनेटर*, आई.के.एस. डिवीजन, शिक्षा मंत्रालय

लोपामुद्रा मैत्रा, *एंथ्रोपोलोजिस्ट*, सीनियर रिसर्च सेंटर फॉर स्टडीज इन लीगल हिस्ट्री, वेस्ट बंगाल, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जूरीडेकल साइंसिस, कोलकाता

वी. सेल्वाकुमार, *सह-आचार्य,* डिपार्टमेंट ऑफ मैरिटाइम हिस्ट्री एंड मरीन आर्केलॉजी, तमिल विश्वविद्यालय, तंजावुर; तथा *सदस्य*, सी.ए.जी (सामाजिक विज्ञान)

संदीप कामरा, *एजुकेटर,* शिव नादर स्कूल, गुरुग्राम; तथा *सदस्य*, सी.ए.जी. (अर्थशास्त्र)

संदीपा मदान, *एजुकेटर,* शिव नादर स्कूल, गुरुग्राम; तथा *सदस्य*, सी.ए.जी. (अर्थशास्त्र)

सुखविंदर सिंह, *सह-आचार्य*, शैक्षिक सर्वेक्षण प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सुपर्णा दिवाकर, *एजुकेटर* और *डेवलपमेंट सेक्टर प्रोफेशनल*; तथा *चीफ कंसलटेंट*, कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी.

सुरेन्द्र सी. ठाकुर देसाई, *आचार्य* एवं *विभागाध्यक्ष,* भूगोल और ग्रामीण विकास, गोगटे जोगलेकर कॉलेज, रत्नागिरि; तथा *सदस्य*, सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान)

सृष्टि चौहान, *यंग प्रोफेशनल,* (ई.ए.सी.-पी.एम.) नीति आयोग

सौम्या डे, *आचार्य,* ऋषिहुड विश्वविद्यालय; तथा *सदस्य*, सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान)

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

समीक्षक

अदिति मिश्रा, *निदेशक प्रधानाचार्य*, दिल्ली पब्लिक स्कूल, गुरुग्राम; और *शिक्षक* — कनु चोपड़ा, लीजा दत्ता, अवनी मेहता, ममता कुमार, सुपर्णा शर्मा

अनुराधा चौधरी, *सहायक आचार्य*, आई.आई.टी. खड़गपुर; तथा *संयोजिका*, आई.के.एस. डिवीजन, ए.आई.सी.टी.ई.

अपर्णा पांडे, *आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

एम.डी. श्रीनिवास, *अध्यक्ष*, सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज, चेन्नई; तथा *सदस्य,* एन.एस.टी.सी.

गण्टि एस. मूर्ति, *राष्ट्रीय संयोजक*, आई.के.एस. डिवीजन, शिक्षा मंत्रालय

जया सिंह, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

प्रतिमा कुमारी, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

पी.के.मंडल, *आचार्य*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली; तथा *सदस्य,* एन.एस.टी.सी.

भैरू लाल यादव, *सह-आचार्य*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

विनीता रिखि, *संयुक्त निदेशक*, ला मॉनडिएल ग्रुप, ला मॉनडिएल एकेडिमिआ

सीमा शुक्ला ओझा, *आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सदस्य समन्वयक, सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान)

अपर्णा पांडे, *आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सदस्य समन्वयक, सी.ए.जी. (अर्थशास्त्र)

शिप्रा वैद्या, *आचार्य* (वाणिज्य), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

हिंदी अनुवाद

अवंतिका त्रिपाठी, *कंसलटेंट*, नई दिल्ली

तरुण मिश्रा, *टी.जी.टी.*, शासकीय वरिष्ठ माध्यमिक बाल विद्यालय, कोर अकादमिक यूनिट, मुख्यालय, डी.ओ.ई., सामाजिक विज्ञान, नई दिल्ली

रेवा शर्मा, *उप-निदेशक* (ओ.एल.) (सेवानिवृत्त), भारत मौसम विज्ञान विभाग, लोधी रोड, नई दिल्ली

श्रीपाल जैन, पूर्व *वरिष्ठ संपादक*, हिंदुस्तान, एच.टी. लिमिटेड, नई दिल्ली

हिंदी अनुवाद समीक्षा

अपर्णा पांडे, *आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

कृष्ण चंद्र पांडे, *सहायक आचार्य*, हिंदू अध्ययन विभाग, महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय, कैथल, हरियाणा

Reprint 2026-27

© NCERT not to be republished

कुमारी रोहिणी, *सहायक आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

गौरी श्रीवास्तव, *आचार्य* एवं *विभागाध्यक्ष*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

जगदेव कुमार शर्मा, *आचार्य* (हिंदी), मानविकी विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत केंद्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

जया सिंह, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

तनु मलिक, *आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

नीरजा रश्मि, *आचार्य* (सेवानिवृत्त), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

प्रतिमा कुमारी, *सह-आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

प्रत्यूष कुमार मंडल, *आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

प्रियदर्शनी सामंतराय, *सहायक आचार्य* (समाजशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

फणींद्र शर्मा, *एजुकेटर* एवं *कंसलटेंट*, कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी.

बीरबल लूनीवाल, *सहायक आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

भावना पालीवाल, *एजुकेटर* एवं *कंसलटेंट*, कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी.

भैरू लाल यादव, *सह-आचार्य*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

मृण्मयी रे, *सहायक आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

रश्मि, *सह-आचार्य* (वाणिज्य), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

रामनाथ झा, *आचार्य*, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

शंकर शरण, *आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

शिप्रा वैद्या, *आचार्य* (वाणिज्य), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सविता सागर, *सहायक आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

साईनाथ शंकरराव कबाड़े, *सहायक आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

साकेत बहुगुणा, *सहायक आचार्य* (भाषा विज्ञान), केंद्रीय हिंदी संस्थान — दिल्ली केंद्र, नई दिल्ली

सारिका चंद्रवंशी साजू, *आचार्य* (समाजशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सीमा शुक्ला ओझा, *आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सुखविंदर, *सह-आचार्य,* शैक्षिक सर्वेक्षण प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सुभाष सिंह, (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

Reprint 2026-27

© NCERT not to be republished

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (रा.शै.अ.प्र.प.), राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति (एन.एस.टी.सी.) के सभी सदस्यों तथा सामाजिक विज्ञान एवं अर्थशास्त्र के पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह (सी.ए.जी.) के अध्यक्षों एवं सदस्यों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करती है। परिषद्, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा ओवरसाइट समिति (एन.ओ.सी.) के अध्यक्ष तथा सदस्यों द्वारा दिए गये बहुमूल्य सुझावों के लिए भी कृतज्ञता प्रकट करती है।

इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान) और सी.ए.जी. (अर्थशास्त्र) के सदस्यों की भागीदारी और सहयोग सराहनीय रहा है। परिषद्, इस पाठ्यपुस्तक में क्रॉसकटिंग थीम को समाहित करने के लिए दूसरे अन्य सी.ए.जी. के अध्यक्षों और सदस्यों का भी विशेष आभार व्यक्त करती है।

इस पाठ्यपुस्तक को तैयार करने के प्रत्येक चरण में एन.एस.टी.सी. के कार्यक्रम कार्यालय और सामाजिक विज्ञान के सदस्य समूह के अथक प्रयासों के प्रति भी परिषद् आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, *विभागाध्यक्ष*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग के प्रति भी अपनी कृतज्ञता अर्पित करती है जिन्होंने प्रत्येक स्तर पर इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में अपना अमूल्य सहयोग दिया। परिषद्, श्वेता उप्पल, *मुख्य संपादक* (सेवानिवृत्त), प्रकाशन प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प. एवं अन्य संपादकों द्वारा इस पुस्तक के संपादन और वर्तनी संशोधन प्रक्रिया में दिए गए बहुमूल्य सहयोग के लिए भी आभारी है। हम पाठ्यसामग्री के संपादन के दौरान अनेक संशोधनों के लिए एन.एन. अंजासी और रिद्धि गर्ग के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हैं।

पाठ्यपुस्तक के आवरण और प्रारूपण के लिए हम श्वेता राव के अनुगृहीत हैं। चित्रकार अलबर्ट श्रीवास्तव, आशुतोष कांबली, अत्रि चेतन, चंद्रिमा चटर्जी, नूतन किशोर, प्राची सहस्त्रबुद्धे और प्रशांत सिंह पाठ्यपुस्तक में नवीन डिजाइन, चित्रकारी और रेखाचित्र के लिए प्रशंसा के पात्र हैं। मानचित्रकार सतीश मौर्य का योगदान भी सराहनीय है। पाठ्यपुस्तक निर्माण में विभिन्न स्तरों पर सहयोग के लिए हम सुनील सिसोदिया एवं नीरज कुमार, *जे.पी.एफ.*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग की सराहना करते हैं।

वी.एन. प्रभाकर ने उदारतापूर्वक अपने मानचित्रों को साझा किया है, इसके लिए हम उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

© NCERT not to be republished

परिषद्, इस पाठ्यपुस्तक के भाषा संपादन और प्रकाशन हेतु इसे अंतिम रूप देने के लिए प्रकाशन प्रभाग की आभारी है। इस प्रकिया में श्रेया गुप्ता, प्रियंका व गरिमा, *प्रूफरीडर* (संविदा), राहुल सेमवाल एवं अंजू शर्मा, *सहायक संपादक* (संविदा) तथा पवन कुमार बरियार, *प्रभारी*, डी.टी.पी. प्रकोष्ठ एवं नरेश कुमार, अनीता कुमारी, राजश्री व विपन कुमार शर्मा, *डी.टी.पी. ऑपरेटर* (संविदा) के प्रति परिषद् आभार व्यक्त करती है।

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

विषय-सूची

आमुख	*iii*
विद्यार्थी के नाम पत्र	*v*
इस पुस्तक के साथ आपकी यात्रा	*vii*
परिचय — सामाजिक विज्ञान क्यों?	**1**
विषय (क) — भारत एवं विश्व : भूभाग एवं उनके निवासी	
1. पृथ्वी पर स्थानों की स्थिति	7
2. महासागर एवं महाद्वीप	27
3. स्थलरूप एवं जीवन	41
विषय (ख) — अतीत के चित्रपट	
4. इतिहास की समय-रेखा एवं उसके स्रोत	59
5. भारत, अर्थात इंडिया	75
6. भारतीय सभ्यता का प्रारंभ	85
विषय (ग) — हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं ज्ञान परंपराएँ	
7. भारत की सांस्कृतिक जड़ें	105
8. विविधता में एकता या 'एक में अनेक'	125
विषय (घ) — शासन और लोकतंत्र	
9. परिवार और समुदाय	137
10. आधारभूत लोकतंत्र — भाग 1: शासन	149
11. आधारभूत लोकतंत्र — भाग 2: ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय सरकार	163
12. आधारभूत लोकतंत्र — भाग 3: नगरीय क्षेत्रों में स्थानीय सरकार	173
विषय (ङ) — हमारे आस-पास का आर्थिक जीवन	
13. कार्य का महत्व	183
14. हमारे आस-पास की आर्थिक गतिविधियाँ	195
शब्दावली	*209*
बाह्य स्रोतों से चित्र और मानचित्र	*220*

© NCERT not to be republished

वसुधैव कुटुम्बकम्
संपूर्ण विश्व एक परिवार है

not to be republished

Reprint 2026-27